**Raga of the Month September 2025 - Raga SohaniPancham**

## राग सोहनीपंचम

राग सोहनीपंचम यह एक अप्रचलित राग है। पंचम यह राग दो प्रकारोंसे गाया जाता है, (i) पंचम वर्जित (षाडव ), (ii) पंचम सहित (संपूर्ण) . दोनों प्रकारोंका वर्णन पंडित भातखण्डेजी के क्रमिक पुस्तक मालिका के छठे भागमे तथा आचार्य श्री ना रातंजनकरजी के "संगीत परिभाषा विवेचन" इस किताबमे दिया हुआ है। सोहनीपंचम रागमे सोहनी राग प्रमुख है; और उसके साथ संपूर्ण पंचम रागका मिश्रण किया हुआ है। इस रागमे रिषभ कोमल, दोनों मध्यम तथा अन्य स्वर शुद्ध लगते हैं। अतः इस रागमे प्रयुक्त होनेवाले स्वर हैं, सा, रे, ग, म, मं, प, ध और नि। यह राग मध्य रात्रीके बाद गाया जाता है। यह राग प्रायः आग्रा घराना परंपराके गायक प्रस्तुत करते हैं।

इस रागमे उपयोग होनेवाले प्रमुख स्वर वाक्य इस प्रकार हैं -

सा, रे नि ; नि रे ग, म, प, म ग, मं ग रे सा। मं ध सां, रें, सां, रें नि ध, प, म, म ग , मं ग रे सा।

आजके ऑडिओमे हम पहले पंडित यशवंत महालेजी रचित बंदिश " जियाकी बिथा कैसे कहूं री " सुनेंगे, जो उन्हीने स्वयं गायी हुई है। अन्तमे उस्ताद विलायत हुसैन खाँ ने गायी हुई स्वरचित बंदिश "सखी मोरे प्रीतम प्यारे " सुनेंगे।

आभार - पंडित यशवंत महाले.

**01-09 -2025.**

**Link to the list of 170+ Raga of the month articles**

**@ Archive of ROTM Articles** https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx